

सुशासन दविस 2024

प्रलिस के लयः

सुशासन दविस, वशिव बैंक, वधिसममत शासन, कसिान करेडिटि कार्ड, प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना, सरव शकिसा अभयान, मशिन करमयोगी, वकिसशील पंचायत पहल, [PRI](#), [SWAYAM](#), [कौशल भारत](#), [आधार](#), [RTI अधनियिम, 2005](#), [PFMS](#), [MGNREGA](#), [CPGRAMS](#), [भारत रतन](#), [भ्रष्टाचार नवारण अधनियिम, 1988](#)

मेन्स के लयः

सुशासन और संबधति चुनौतयिँ, सरकारी नीतयिँ और हस्तक्षेप

स्रोत: पी.आई.बी.

चर्चा में क्यौं?

सरकार की जवाबदेही और प्रभावी प्रशासन के संबध में नागरकिँ में अधकि जागरूक करने के लयि 25 दसिंबर को [सुशासन दविस](#) मनाया जाता है ।

- वर्ष 2024 का वषिय है "वकिसति भारत के लयि भारत का मार्ग: सुशासन और डजिटलीकरण के माधयम से नागरकिँ का सशक्तीकरण ।"
- इसकी शुरुआत वर्ष 2014 में पूरव प्रधानमंत्री [अटल बहारी वाजपेयी](#) की जयंती के उपलक्ष्य में की गई थी ।
- पं. मदन मोहन मालवीय की जयंती भी 25 दसिंबर को मनाई जाती है ।

अटल बहारी वाजपेयी

- जन्म: वाजपेयी जी का जन्म 25 दसिंबर, 1924 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में हुआ । वह एक कवि और राजनीतजिज्ञ थे ।
- राजनीतिक करियर: वे तीन बार- 1996 में सीमति समय के लयि, 1998 और 1999 में 13 माह तक तथा 1999 से 2004 तक पूरणकालकि रूप से, भारत के प्रधानमंत्री रहे ।
- सम्मान: 2015 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरकि सम्मान [भारत रतन](#) से सम्मानति कयिा गया । 1994 में उन्हें [पद्म वधुषण](#) से सम्मानति कयिा गया था ।
- प्रमुख कार्यः
 - स्वर्णमि चतुरभुज परयिोजना: यह चार राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क है जो दल्लि, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता को जोडता है ।
 - आर्थकि सुधार: औद्योगकि वकिस और वदिशी नविश को बढ़ावा देने के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को उदार बनाया गया ।
 - 1998 के परमाणु परीक्षण: भारत को एक परमाणु शक्ति के रूप में स्थापति कयिा, जसिसे शांति और अहसिा को बढ़ावा मलिा ।

पं मदन मोहन मालवीय

//

मदन मोहन मालवीय

(25 दिसंबर, 1861 - 2 नवंबर, 1946)

“शिक्षाविद, पत्रकार, राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्ता”
महात्मा गांधी द्वारा 'महामना' और डॉ. एस. राधाकृष्णन द्वारा 'कर्मयोगी' की उपाधि

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:

- वह नरमपंथी एवं गरमपंथी दोनों के बीच की विचारधारा के नेता थे
- नमक सत्याग्रह और सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930) में भाग लिया
- चार सत्रों (1909, 1913, 1919 और 1932) के लिये भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए

प्रमुख योगदान:

- 'गिरमिटिया मजदूरी' प्रथा को समाप्त करने में
- वर्ष 1905 में गंगा महासभा की स्थापना
- 11 वर्ष (1909-1920) तक 'इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल' के सदस्य
- पद 'सत्यमेव जयते' शब्द को लोकप्रिय बनाया
- ब्रिटिश-भारतीय न्यायालयों में देवनागरी का प्रवेश
- वर्ष 1915 में हिंदू महासभा की स्थापना में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका
- वर्ष 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) की स्थापना

पत्रकारिता:

- अभ्युदय (हिंदी साप्ताहिक) और मर्यादा (हिंदी मासिक)
- हिंदुस्तान टाइम्स के निदेशक मंडल के अध्यक्ष

सम्मान:

- भारत रत्न (2014)
- वाराणसी-नई दिल्ली महामना एक्सप्रेस (2016)



Drishti IAS

सुशासन दविस 2024 के उपलक्ष्य पर कनि पहलों का शुभारंभ कयिा गया?

- **नया iGOT कर्मयोगी डैशबोर्ड:** यह मंत्रालय/वभिाग/संगठन (MDO) के नेताओं और राज्य प्रशासकों को अपनी संस्थाओं की प्रगति एवं प्रभावशीलता की अधिक कुशलतापूर्वक नगिरानी करने की सुविधा प्रदान करेगा।
- **1600वाँ iGOT कर्मयोगी पाठ्यक्रम:** इसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के लिये एक शक्तिषण पारसिथितिकी तंत्र तैयार करना, नरितर विकास और आजीवन अधगिम को बढ़ावा देना है।
- **वकिसति पंचायत पहल:** इसका उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ प्रदान करने, प्रभावी शासन सुनश्चिति करने और पंचायत नेताओं को आवश्यक कौशल से सशक्त बनाने के लिये **पंचायती राज संस्थाओं की कार्यक्षमता में वर्द्धन करना है।**
- **CPGRAMS वार्षिक रिपोर्ट, 2024:** यह एक सुदृढ़ शकियात नविराण तंत्र के माध्यम से **लोक सेवा वतिरण** की प्रभावशीलता को बढ़ाने में हुई प्रगतिको रेखांकित करती है।

सुशासन क्या है?

- **परचिय:** सुशासन नरिणय लेने की प्रक्रयिा है तथा वह प्रक्रयिा है जिसके द्वारा **वकिस के लक्ष्यों** को प्राप्त करने के लिये आवश्यक नरिणयों को क्रयिान्वति कयिा जाता है।
 - **वशि्व बैंक** की रिपोर्ट "शासन और वकिस, 1992" के अनुसार, सुशासन वह तरीका है जिसमें वकिस के लिये कसिीदेश के आर्थिक और सामाजिक संसाधनों के प्रबंधन में शक्तिका प्रयोग कयिा जाता है।
 - 'सुशासन' की असली परीक्षा यह है कविह कसि हद तक मानव अधिकारों के वादे को पूरा करता है **नागरिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक अधिकार।**
- **प्रमुख वशिषताएँ:** वशि्व बैंक के अनुसार, सुशासन की 8 प्रमुख वशिषताएँ हैं।
 - **सहभागिता:** सुशासन के लिये **लैंगिक-समावेशी** भागीदारी महत्त्वपूर्ण है, चाहे वह **प्रत्यक्ष** हो या **प्रतनिधियों या संस्थाओं** के माध्यम से हो।
 - **सर्वसम्मत उनमुख:** सुशासन में समुदाय के सर्वोत्तम हतियों और सतत् वकिस लक्ष्यों पर आम सहमतबिनाने के लयिसामाजिक हतियों की मध्यस्थता करना शामिल है।
 - **जवाबदेह:** कसिी संगठन या संस्था को उन लोगों के प्रतजवाबदेह होना चाहयि जो उसके नरिणयों या कार्यो से प्रभावति होंगे।
 - **पारदर्शी:** पारदर्शाता का अर्थ है कनिरिणय **नयिमानुसार** लयिे जाते हैं तथा उनसे प्रभावति होने वाले लोगों को **जानकारी उपलब्ध** होती है।
 - **उत्तरदायी:** संस्थाओं को **सभी हतिधारकों** को उचति समय सीमा के भीतर सेवा प्रदान करनी चाहयि।
 - **प्रभावी और कुशल:** सुशासन यह सुनश्चिति करता है कनि प्रक्रयिाएँ और संस्थाएँ उपलब्ध संसाधनों का **कुशलतापूर्वक उपयोग** करते हुए **सामाजिक आवश्यकताओं** को पूरा करें।
 - **समतामूलक और समावेशी:** कसिी समाज का कल्याण **सभी सदस्यों**, वशिष रूप से **कमज़ोर समूहों** का कल्याण करने या उसे बनाए रखने के अवसरों में शामिल करने पर नरिभर करता है।
 - **वधिक शासन:** इसके लयिे **नशिषक कानूनी ढाँचे** की आवश्यकता है, जसिे **स्वतंत्र नयायपालिका** और **भ्रष्टाचार-मुक्त पुलिस बल** का समर्थन प्राप्त हो।
 - यह सहभागी, सर्वसम्मत उनमुख, **जवाबदेह**, पारदर्शी, उत्तरदायी, प्रभावी और कुशल, न्यायसंगत और समावेशी है और **वधिके शासन** का पालन करता है।



- अटल बहारी वाजपेयी और सुशासन: उनके कार्यकाल में [किसान क्रेडिट कार्ड](#), [प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना](#), [सर्व शिक्षा अभियान](#) और [राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यक्रम](#) जैसी परिवर्तनकारी पहलें हुईं, जिनसे देश में शासन व्यवस्था में बदलाव आया।

सुशासन का महत्व क्या है?

- आर्थिक विकास: सुशासन के तहत की गई पहल कार्यबल में पुरुषों और महिलाओं दोनों को **समान अधिकार और सुरक्षा** प्रदान करती है, जिससे वर्ष 2025 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 770 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हो सकती है।
- सामाजिक विकास: [स्वयं \(SWAYAM\)](#) और [कौशल भारत](#) शिक्षा और रोजगार कौशल के साथ हाशिये पर पड़े समूहों को सशक्त बनाते हैं।
 - [आधार एकीकरण](#) से लीकेज में कमी आती है, जबकि [परत्यक्ष लाभ हस्तांतरण \(DBT\)](#) कल्याणकारी योजनाओं में मध्यस्थों को खत्म करती है।
- लोकतंत्र को मज़बूत बनाना: [MyGov](#) जैसे प्लेटफॉर्म से नागरिकों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिला है तथा ई-गवर्नेंस भ्रष्टाचार को कम करने में सहायक है।
- जवाबदेहता: RTI अधिनियम, 2005 से सरकारी सूचना तक पहुँच का अधिकार सुनिश्चित हुआ है जबकि [PFMS](#) से सार्वजनिक व्यय में जवाबदेहता सुनिश्चित करने के क्रम में धन प्रवाह पर नगरानी रखी जाती है।
- असमानता में कमी आना: [प्रधानमंत्री जन धन योजना \(PMJDY\)](#) के माध्यम से बैंकिंग सुविधा से वंचित लोगों के लिये वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है।
 - मनरेगा से ग्रामीण परिवारों को गारंटीकृत रोजगार मिला है।
- विश्वास निर्माण: ई कोर्ट परियोजना से दक्षता एवं पहुँच के क्रम में न्यायालयी प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाया गया है जबकि [CPGRAMS](#) के तहत नागरिक शिकायतों के समाधान हेतु एक मंच मिला है।

भारत में सुशासन के लिये क्या पहल हैं?

- [सुशासन सूचकांक](#)
- [PRAGATI \(प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लिमेंटेशन\)](#)
- [सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005](#)
- [राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना](#)
- [ई-कोर्ट परणाली](#)
- [सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन परणाली](#)
- [मशिन क्रमयोगी](#)

भारत में सुशासन के समक्ष क्या बाधाएँ हैं?

- **भ्रष्टाचार: विश्व बैंक** के अनुसार, भ्रष्टाचार के कारण भारत को **प्रतिवर्ष सकल घरेलू उत्पाद का 0.5% का नुकसान** होता है तथा नविशकों एवं संगठनों के लिये **कारोबारी माहौल में बाधा** उत्पन्न होती है।
 - वर्ष 2023 के भ्रष्टाचार बोध सूचकांक में 180 देशों में से भारत 93वें स्थान पर है।
- **जवाबदेहता का अभाव:** जवाबदेहता के अभाव से सरकार में **नागरिकों का विश्वास** समाप्त होता है जिसके परिणामस्वरूप **राजनीतिक उदासीनता, कम मतदान प्रतिशत के साथ शासन में नागरिक सहभागिता में कमी** आती है।
- **राजनीति का अपराधीकरण:** अपराधिक पृष्ठभूमि वाले राजनेताओं के कारण सभी नागरिकों के लिये न्याय एवं समान व्यवहार सुनिश्चित करने के प्रयासों में बाधा आती है।
 - एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रफॉर्मर्स (ADR) की रिपोर्ट के अनुसार 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित 543 सदस्यों में से 251 (46%) पर अपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 27 को दण्डित ठहराया गया है।
- **कानूनों का अप्रभावी कार्यान्वयन:** भारत के भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों (जैसे **भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988**) की अप्रभावी प्रवर्तन के कारण आलोचना की जाती है, जिससे लोगों में नरिशा पैदा होती है।

आगे की राह

- **वर्किंगरीकरण:** सत्ता, केंद्र और राज्य सरकारों के पास केंद्रित है; जमीनी स्तर पर सुशासन सुनिश्चित करने हेतु **नगरपालिकाओं तथा पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों को** अधिक कार्यात्मक एवं वित्तीय प्राधिकार देने की आवश्यकता है।
- **नैतिक मानक:** **नोलन समिति (1994)** द्वारा अनुशंसित **ईमानदारी, जवाबदेहता और नसिवायता** जैसे नैतिक मूल्यों को लोक सेवकों में स्थापित किया जाना चाहिये।
- **लैंगिक समानता:** सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों में **महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये लैंगिक समानता को** बढ़ावा देने के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिये कि समाज की सभी आवश्यकताएँ पूरी हो सकें।
- **वहसिलब्लोअर संरक्षण:** सरकारी मंत्रालयों/वभागों में भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले **वहसिलब्लोअर** को अधिक सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिये।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: भारत में सुशासन के महत्त्व पर चर्चा कीजिये। सुशासन की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं?

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

[?/?/?/?/?]

प्रश्न: ई-शासन केवल नवीन प्रौद्योगिकी की शक्तिके उपयोग के बारे में नहीं है, अपितु इससे अधिक सूचना के 'उपयोग मूल्य' के क्रांतिक महत्त्व के बारे में है। स्पष्ट कीजिये। (2018)

प्रश्न: नागरिक चार्टर संगठनात्मक पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व का एक आदर्श उपकरण है, परंतु इसकी अपनी परिसीमाएँ हैं। परिसीमाओं की पहचान कीजिये तथा नागरिक चार्टर की अधिक प्रभावता के लिये उपायों का सुझाव दीजिये। (2018)